collegebatch.com

Series : ZW6YX

SET ~ 3

प्रश्न-पत्र कोड 29/6/3

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* — *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **13** है।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं – **खण्ड क, ख** और **ग**।*

(iii) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(iv) *दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।*

collegebatch.com

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

'कुछ लोग हमारे पड़ोसी भी थे
और हम भी थे किसी के पड़ोसी
अब जाकर यह ख्याल आता है।
''पड़ोसियों को कह कर आए हैं
दो-चार दिन घर देख लेना''
यह वाक्य कहे-सुने अब एक अरसा हुआ है।
हथौड़ी कुदाल कुएँ से बाल्टी निकालने वाला
लोहे का काँटा, दतुवन, नमक हल्दी, सलाई
एक-दूसरे से ले-देकर लोगों ने निभाया है
लंबे समय तक पड़ोसी होने का धर्म
धीरे-धीरे लोगों ने समेटना कब शुरू कर दिया खुद को,
यह ठीक-ठीक याद नहीं आता
अब इन चीज़ों के लिए कोई पड़ोसियों के पास नहीं जाता
याद में शादी-ब्याह का वह दौर भी कौतूहल से भर देता है
जब पड़ोसियों से ही नहीं पूरे गाँव से
कुर्सियाँ और लकड़ी की चौकियाँ तक
बारातियों के लिए जुटाई जाती थीं'
और लोग सौंपते हुए कहते थे –
बस ज़रा एहतियात से ले जाइएगा !

बस अब इस नई जीवन शैली में
हमें पड़ोसियों के बारे में कुछ पता नहीं होता
कैसी है उनकी दिनचर्या और उनके बच्चे कहाँ पढ़ते हैं ?
वह स्त्री जो बीमार-सी दिखती है, उसे हुआ क्या है ?
किसके जीवन में क्या चल रहा है ?
कौन कितनी मुश्किलों में है ?
हमने एक ऐसी दुनिया रची है
जिसमें खत्म होता जा रहा है हमारा पड़ोस।

collegebatch.com

(i) कवि की मुख्य चिंताएँ हैं : 1

I. वर्तमान समय में आस-पड़ोस के प्रति संवेदनशीलता बढ़ गई है।

II. हममें से कोई भी अच्छा पड़ोसी नहीं बचा।

III. आधुनिक जीवन शैली में अपने आस-पड़ोस से उदासीन हो चले हैं।

विकल्प :

(A) केवल I (B) I और III

(C) केवल III (D) II और III

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : 1

कथन : लोग अब अपने पड़ोसियों से नहीं कहते कि उनकी अनुपस्थिति में उनके घर का ख्याल रख लें।

कारण : क्योंकि पड़ोसियों पर भी अब किसी को भरोसा नहीं रहा।

विकल्प :

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

(iii) नई जीवन शैली से कवि को क्या शिकायत है ? 1

(A) लोगों ने एक-दूसरे को सामान देना बंद कर दिया है।

(B) बगल में ही बड़ी-बड़ी घटना-दुर्घटना होती है और हमें सूचना नहीं मिलती।

(C) लोग अब एक-दूसरे से सामान आदि नहीं माँगते।

(D) लोग पड़ोस के सुख-दुख के प्रति उदासीन और अनजान बन चुके हैं।

(iv) पुराने समय में लोग आपस में सामान का लेन-देन करते हुए किस बात का आग्रह करते थे और क्यों ? 1

(v) कवितांश के आधार पर सोदाहरण बताइए कि आस-पड़ोस में मेल-जोल न रहने के दुष्प्रभाव क्या-क्या हैं ? (किन्हीं दो बिंदुओं में उत्तर दीजिए) 2

(vi) कवि को क्यों लगता है कि 'खत्म होता जा रहा है हमारा पड़ोस' ? – दो दृष्टांतों से स्पष्ट कीजिए। 2

collegebatch.com

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

भारत और अफ्रीका के अधिकांश इलाकों को यदि छोड़ दें तो समूची दुनिया बुढ़ापे की ओर बढ़ चली है। जैसे-जैसे दुनिया बूढ़ी होती जा रही है श्रम बल की भयंकर कमी का सामना करने लगी है, यहाँ तक कि उत्पादकता में भी कमी आने लगी है। ऐसे में 'सिल्वर जेनरेशन (रजत पीढ़ी) एक बहुमूल्य जनसांख्यिकीय समूह साबित हो सकती है। इससे न सिर्फ मौजूदा चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलेगी, बल्कि समाज के कामकाज का तरीका भी बदल सकता है। विश्व के कई देशों में नए उद्यमियों का बड़ा हिस्सा इसी रजत पीढ़ी का है और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के कार्य-बल में इनकी हिस्सेदारी काफी बढ़ गई है। ऐसे में, सरकारों और कंपनियों को मिलकर आधुनिक कार्य-बल में 'उम्रदराज' लोगों को शामिल करने पर जोर देना चाहिए।

बेशक उम्र के अंतर को पाटने के लिए प्रवासन को बतौर निदान पेश किया जाता है, पर यह तरीका अब राजनीतिक मसला बनने लगा है और अपनी लोकप्रियता भी खोता जा रहा है। इसीलिए, सरकारों को रजत पीढ़ी की ओर सोचना चाहिए। कई अध्ययनों से पता चलता है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी बुजुर्ग काम के योग्य होते हैं या उचित अवसर मिलने पर काम पर लौट आते हैं। इनके अनुभवों का बेहतर उपयोग हो सके, इसके लिए नियोक्ताओं और सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए। रजत पीढ़ी को प्रभावी रूप से योगदान देने के लिए सशक्त और प्रशिक्षित किया जाए।

कारोबारी लाभ के अतिरिक्त, इसके सामाजिक लाभ भी हैं, जैसे वृद्ध लोगों का स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च कम होता है। जो दिमाग सक्रिय रहता है, वह समस्याओं को सुलझाने और दूसरों के साथ बातचीत करने का आदी होता है, जिसका कारण उसका क्षय तुलनात्मक रूप से धीमा होता है। सेहतमंद बने रहने की भावना शरीर पर भी सकारात्मक असर डालती है और बाहरी मदद की जरूरत कम पड़ती है।

रजत पीढ़ी का ज्ञान और अनुभव अर्थव्यवस्था को नए कारोबार स्थापित करने, नई चीज़ें सीखने और दूसरे करियर को अपनाने के अनुकूल बनाता है। जैसे-जैसे जन्म-दर में गिरावट आ रही है, कार्य-बल की दरकार दुनिया को होने लगी है और इसका एकमात्र विकल्प रजत पीढ़ी के जनसांख्यिकीय लाभांश पर भरोसा करना है।

(i) 'दुनिया बूढ़ी होने लगी है' – से अभिप्राय है : *1*

(A) दुनिया का सौंदर्य समाप्त हो रहा है

(B) उम्रदराज लोगों की संख्या बढ़ रही है

(C) काम करने की शक्ति कम हो रही है

(D) अनुभवी लोगों की संख्या कम हो रही है

(ii) 'रजत पीढ़ी' से आशय है : *1*

(A) पचास वर्ष से ऊपर की आबादी (B) पच्चीस वर्ष से ऊपर की आबादी

(C) धनी-संपन्न लोगों की आबादी (D) ज्ञान-विज्ञान से युक्त आबादी

collegebatch.com

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : *1*

कथन : रजत पीढ़ी बहुमूल्य जनसांख्यिकीय समूह साबित हो सकती है।

कारण : रजत पीढ़ी ज्ञान, कार्य-बल और अनुभव का भंडार है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) श्रमबल की कमी के क्या कारण हैं ? *1*

(v) कारोबारी क्षेत्र में श्रमबल की कमी को दूर करने का पारंपरिक तरीका क्या है और उसका क्या अभिप्राय है ? वर्तमान में यह अपनी लोकप्रियता क्यों खो रहा है ? *2*

(vi) रजत पीढ़ी के कार्य क्षेत्र में लौटने के क्या सामाजिक लाभ हैं ? *2*

(vii) दिमागी सक्रियता का स्वास्थ्य से क्या संबंध है ? *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

(क) आज के समय में भी प्रिंट माध्यमों का महत्त्व बचा हुआ है। इसे सही ठहराने के लिए उपयुक्त तर्क दीजिए। (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) *1*

(ख) विशेष लेखन के किन्हीं दो क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए बताइए कि उनमें विशेषज्ञता कैसे हासिल की जा सकती है ? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

(ग) एक अच्छे और रोचक फ़ीचर लेख में क्या-क्या होना चाहिए ? *2*

(शब्द सीमा लगभग 40 शब्द)

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) जनसंचार के मुद्रित माध्यमों के लेखकों से समाचार लेखन में किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखने की अपेक्षा होती है ?

(ख) एक अच्छे फ़ीचर लेखन के लिए आवश्यक बिन्दुओं की चर्चा कीजिए।

(ग) 'बीट' को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेष तैयारियों के महत्त्व को समझाइए।

5. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) अभिनेता एक जीवन में कई जीवन जीते हैं

(ख) एक नागरिक के कर्तव्य हैं ....

(ग) आभासी दुनिया (वर्चुअल वर्ल्ड) में मैं हूँ एक विशिष्ट व्यक्ति (सेलिब्रिटी)

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'कविता-लेखन' के संबंध में कौन-से दो मत मिलते हैं ? आप स्वयं को किस मत का समर्थक मानते हैं और क्यों ?

(ख) यह क्यों कहा जाता है कि नाटक ही एक ऐसी विधा है जो हमेशा वर्तमान काल में घटित होती है। किसी ऐतिहासिक या पौराणिक नाटक के उदाहरण से इसे स्पष्ट कीजिए।

(ग) कहानी को रोचक बनाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है ? पढ़ी हुई किसी कहानी के उदाहरण से अपनी बात स्पष्ट कीजिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

जननी निरखति बान धनुहियाँ।
बार बार उर नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ॥
कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे।
"उठहु तात ! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे"॥
कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ, भैया।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया"
कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चकि चित्रलिखी सी।
तुलसीदास वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी सी॥

(i) तुलसीदास जी ने कौशल्या को मोरनी की उपमा क्यों दी है ?

(A) बेसुध होकर किसी भी कार्य को करने की क्षमता के कारण
(B) उल्लास और प्रसन्नता के चरम उत्कर्ष में अचानक दुख का स्मरण हो आना
(C) मातृवत्सल स्वभाव और वियोगजन्य दुख की समानता के कारण
(D) नृत्य कौशल एवं राजसी प्रवृत्तियों की समानता के कारण

(ii) राम को सखाओं और पिता के पास जाने के लिए पुकारती माता को जब उनके वहाँ नहीं होने का अहसास होता है तब वे :

(A) मोरनी के समान स्तब्ध होकर नाचने लगती हैं।

(B) सभी सखी-सहेलियों को अपने शोक का हाल सुनाती हैं।

(C) राम की वस्तुओं को सीने से लगा रो पड़ती हैं।

(D) चित्र के समान स्थिर और अवाक् खड़ी रह जाती हैं।

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : जननी बार-बार अपने पुत्र के धनुष-बाण को देख रही है।

कारण : माता का संतान की वस्तुओं से स्वाभाविक लगाव होता है।

विकल्प :

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

(iv) प्रस्तुत पद का केन्द्रीय भाव है :

(A) राम-वनगमन के बाद माँ कौशल्या की विरह वेदना

(B) राम-वनगमन के पश्चात सूना राजमहल

(C) राजा दशरथ का पुत्र-शोक

(D) राम की बाल-लीला का वर्णन

(v) राम की अनुपस्थिति में माता कौशल्या कौन-कौन से कार्य करती हैं ?

I. राम के बचपन की छोटी-छोटी जूतियों को देखती हैं।

II. सुबह-सुबह उन्हें प्यार और मनुहार से जगाने उनके शयनकक्ष में चली जाती हैं।

III. राम के धनुष-बाण को प्रेम से निहारती हैं।

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों

(B) केवल I और II दोनों

(C) केवल II और III दोनों

(D) केवल I और III दोनों

8. काव्य खण्ड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'सरोज स्मृति' कविता में कवि 'स्वर्गीया प्रिया' को क्यों और किस रूप में याद कर रहा है ?

(ख) विद्यापति की नायिका के दारुण दुख का क्या कारण है ? लोगों के प्रति उसका क्या भाव है ?

(ग) सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि 'बनारस' कविता, बनारस शहर के प्रति कवि के मोह की भी अभिव्यक्ति है।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा,
वह पीड़ा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा;
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधुआते कड़ुवे तम में
यह सदा-द्रवित, चिर-जागरूक, अनुरक्त-नेत्र,
उल्लंब बाहु, यह चिर-अखंड अपनापा।
जिज्ञासु, प्रबुद्ध, सदा श्रद्धामय, इसको भक्ति को दे दो –
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

अथवा

(ख) अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी। दूभर दुख सो जाइ किमि काढ़ी ।।
अब धनि देवस बिरह भा राती। जरै बिरह ज्यों दीपक बाती ।।
काँपा हिया जनावा सीऊ। तौ पै जाइ होइ सँग पीऊ ।।
घर घर चीर रचा सब काहूँ। मोर रूप रँग लै गा नाहू ।।
पलटि न बहुरा गा जो बिछोई। अबहूँ फिरै फिरै रँग सोई ।।
सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा। सुलगि सुलगि दगधै भै छारा ।।
यह दुख दगध न जानै कंतू। जोबन जनम करै भसमंतू ।।
पिय सौं कहेहु सँदेसड़ा, ऐ भँवरा ऐ काग।
सो धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग ।।

collegebatch.com

10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

हालाँकि उसे खेती की हर बारीकी के बारे में मालूम था, लेकिन फिर भी डरा दिए जाने के कारण वह अकेला खेती करने का साहस न जुटा पाता था। इससे पहले वह शेर, चीते और मगरमच्छ के साथ साझे की खेती कर चुका था, अब उससे हाथी ने कहा कि अब वह उसके साथ साझे की खेती करे। किसान ने उसको बताया कि साझे में उसका कभी गुज़ारा नहीं होता और अकेले वह खेती कर नहीं सकता। इसलिए वह खेती करेगा ही नहीं। हाथी ने उसे बहुत देर तक पट्टी पढ़ाई और यह भी कहा कि उसके साथ साझे की खेती करने से यह लाभ होगा कि जंगल के छोटे-मोटे जानवर खेतों को नुकसान नहीं पहुँचा सकेंगे और खेती की अच्छी रखवाली हो जाएगी।

किसान किसी न किसी तरह तैयार हो गया और उसने हाथी से मिलकर गन्ना बोया।

समय पर जब गन्ने तैयार हो गए तो वह हाथी को खेत पर बुला लाया। किसान चाहता था कि फ़सल आधी-आधी बाँट ली जाए। जब उसने हाथी से यह बात कही तो हाथी काफ़ी बिगड़ा।

हाथी ने कहा, ''अपने और पराए की बात मत करो। यह छोटी बात है। हम दोनों ने मिलकर मेहनत की थी हम दोनों उसके स्वामी हैं। आओ, हम मिलकर गन्ने खाएँ।''

किसान के कुछ कहने से पहले ही हाथी ने बढ़कर अपनी सूँड से एक गन्ना तोड़ लिया और आदमी से कहा, "आओ खाएँ।"

गन्ने का एक छोर हाथी की सूँड में था और दूसरा आदमी के मुँह में। गन्ने के साथ-साथ आदमी हाथी के मुँह की तरफ़ खींचने लगा तो उसने गन्ना छोड़ दिया।

हाथी ने कहा, ''देखो, हमने एक गन्ना खा लिया।''

इसी तरह हाथी और आदमी के बीच साझे की खेती बँट गई।

(i) हाथी और किसान के बीच फ़सल आधी-आधी किस तरह बँटी ?

(A) फ़सल नहीं बँटी, हाथी ने पूरी फ़सल पर क़ब्ज़ा कर लिया।
(B) दोनों में अपने-पराए का भाव नहीं था इसलिए हाथी ने सारी फ़सल रख ली।
(C) हाथी ने एक गन्ना खाया और बाकी किसान को दे दिया।
(D) उन्होंने हर गन्ने को आधा-आधा बाँट लिया।

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : किसान ने आरंभ में खेती करने से इंकार कर दिया।

कारण : वह अकेले खेती करने में असमर्थ था और किसी के साथ खेती करने में नुकसान उठाना पड़ता था।

विकल्प :

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

collegebatch.com

(iii) जब हाथी ने कहा, 'अपने और पराए की बात मत करो। .... हम दोनों उसके स्वामी हैं।' तब उसका आशय था :

(A) खेती से उपजी फ़सल पर उसका और किसान का बराबर हक है।

(B) उसे किसान द्वारा अपने-पराए की बात किए जाने का बुरा लगा।

(C) उसके मन में फ़सल के बँटवारे को लेकर साफगोई नहीं थी।

(D) वह फ़सल पर अपना हक छोड़ना चाहता था।

(iv) हाथी ने अपने साथ साझे की खेती करने के लिए किसान को क्या-क्या समझाया था ?

I. उसके होने से खेत की अच्छी रखवाली होगी।

II. जंगल के अन्य जानवर खेती को नुकसान पहुँचाने की हिम्मत नहीं जुटाएँगे।

III. वह किसान को फ़सल का बड़ा हिस्सा दे देगा।

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों (B) I और III दोनों

(C) I और II दोनों (D) II और III दोनों

(v) 'साझा' खेती करने का प्रस्ताव देने वाला हाथी किसका प्रतीक है ?

(A) सत्ताधारियों का

(B) प्रभुत्वशाली वर्ग का

(C) व्यवसायी वर्ग का

(D) किसान नेताओं का

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'उर्दू कानों में हम लोगों की बोली कुछ अनोखी लगती' – पंक्ति के द्वारा लेखक रामचंद्र शुक्ल तत्कालीन भाषिक समाज की किस विशेषता पर टिप्पणी कर रहे थे ? हिंदी और उर्दू के संबंध पर आपकी क्या राय है ?

(ख) 'गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफात' पाठ के आधार पर लिखिए कि गांधीजी ने रोगी बालक से कैसा बर्ताव किया। इससे उनके व्यक्तित्व की किस विशेषता का पता चलता है ?

(ग) विकास की अंधी दौड़ का क्या दुष्परिणाम सामने आया ? ऐसी परिस्थिति में बदलाव के क्या उपाय हो सकते हैं ? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर लिखिए।

collegebatch.com

12. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) पुर्ज़े खोलकर फिर ठीक करना उतना कठिन काम नहीं है, लोग सीखते भी हैं, सिखाते भी हैं, अनाड़ी के हाथ में चाहे घड़ी मत दो पर जो घड़ीसाज़ी का इम्तहान पास कर आया है उसे तो देखने दो । साथ ही यह भी समझा दो कि आपको स्वयं घड़ी देखना, साफ़ करना और सुधारना आता है कि नहीं । हमें तो धोखा होता है कि परदादा की घड़ी जेब में डाले फिरते हो, वह बंद हो गई है, तुम्हें न चाबी देना आता है न पुर्ज़े सुधारना तो भी दूसरों को हाथ नहीं लगाने देते इत्यादि ।

अथवा

(ख) कुटज के ये सुंदर फूल बहुत बुरे तो नहीं हैं । जो कालिदास के काम आया हो उसे ज़्यादा इज़्ज़त मिलनी चाहिए । मिली कम है । पर इज़्ज़त तो नसीब की बात है । रहीम को मैं बड़े आदर के साथ स्मरण करता हूँ । दरियादिल आदमी थे, पाया सो लुटाया । लेकिन दुनिया है कि मतलब से मतलब है, रस चूस लेती है, छिलका और गुठली फेंक देती है । सुना है, रस चूस लेने के बाद रहीम को भी फेंक दिया गया था । एक बादशाह ने आदर के साथ बुलाया, दूसरे ने फेंक दिया ! हुआ ही करता है । इससे रहीम का मोल घट नहीं जाता । उनकी फक्कड़ाना मस्ती कहीं गई नहीं । अच्छे-भले कद्रदान थे । लेकिन बड़े लोगों पर भी कभी-कभी ऐसी वितृष्णा सवार होती है कि गलती कर बैठते हैं । मन खराब रहा होगा, लोगों की बेरुखी और बेकद्रदानी से मुरझा गए होंगे – ऐसी ही मन:स्थिति में उन्होंने बिचारे कुटज को भी एक चपत लगा दी ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(क) झोंपड़ी जलने के बाद भी स्वयं पर नियंत्रण रखने वाला सूरदास कब और क्यों बिलख-बिलख कर रोने लगा ? इस घटना के माध्यम से मनुष्य के स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है ?

(ख) ग्रामीण परिवेश में जन्मे, पले-बढ़े व्यक्ति का आगे का जीवन भले ही शहर में बीते पर उसकी स्मृतियों का गाँव सदैव मोहक और आकर्षक बना रहता है । – ‘बिस्कोहर की माटी’ पाठ के आधार पर सोदाहरण लिखिए ।

(ग) मालवा में ऋतु परिवर्तन के प्रभाव स्वरूप पहले कौन-से बदलाव होते थे ? वर्तमान में उसमें क्या अंतर आया है ? इस अंतर के कारणों की पड़ताल कीजिए ।